भजन

तर्ज–रिमझिम गिरे सावन

पिया तेरी ये दुल्हन, रह न सके तेरे बिन
रहे याद हर पल तेरी, तेरा है ये तन मन

1–तन ये तुम्हारा पिया, मन भी तुम्हारा
जो कुछ है पास मेरे, सब कुछ तुम्हारा
तू ही बसा दिल मे, कुछ भी न तेरे बिन

2–ना दूर तुम से, पास तुम्हारे
हम तन है तेरे , धनी तुम हमारे
मेरा तेरा सम्बन्ध तो है, मूल वतन

3–तुझे गर जुदा कहूं, तो कहा नही जाए
एक कहूं तो ना , कहनी मे आए
देखूं तेरी वाहेदत तो कुछ नही तेरे बिन